शेरावाली की चुनरिया तारो वाली चमके | By Tripti Shakya

माथे पे बिंदिया चमके कानो में बाली चमके
लाल लाल होंठों पे लाली चमके
शेरावाली की चुनरिया तारो वाली चमके

मोती जड़ी नथुनिया चमके गले जड़ाऊ हार है
तीन लोक शर्माए ऐसा मैया का श्रृंगार है
मूरत निराली चमके सूरत निराली चमके
लाल लाल होंठों पे लाली चमके
शेरावाली की चुनरिया तारो वाली चमके

हाथ में कंगन खनक रहा है जिसमे हीरे चमकीले
नौ रत्नो की शान अनोखी चमक रहे नीले पीले
हाथो में लाली चमके, मेहँदी निराली चमके
लाल लाल होंठों पे लाली चमके
शेरावाली की चुनरिया तारो वाली चमके

तृप्ति लाड़ली तेरी मैया चरणों में स्थान दो
हर पल मुख पर नाम हो तेरा मुझे बेधड़क दान दो
मेरे गुनाहो की माँ चादर ये काली चमके
लाल लाल होंठों पे लाली चमके
शेरावाली की चुनरिया तारो वाली चमके

https://bhaktivandana.com/lyrics/%e0%a4%b6%e0%a5%87%e0%a4%b0%e0%a4%be%e0%a4%b5%e0%a4%be%e0%a4%b2%e0%a5%80-%e0%a4%95%e0%a5%80-%e0%a4%9a%e0%a5%81%e0%a4%a8%e0%a4%b0%e0%a4%bf%e0%a4%af%e0%a4%be-%e0%a4%a4%e0%a4%be%e0%a4%b0%e0%a5%8b/